टी हॉर्स रोड

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

भारत में चीन के राजदूत ने **तिब्बत से होकर चीन को भारत से जोड़ने** वाले **प्राचीन टी हॉर्स रोड** पर प्रकाश डाला तथा **चीन और भारतीय उपमहाद्वीप के बीच होने वाले विनिमय** को सुविधाजनक बनाने में इसकी वर्षों पुरानी भूमिका उजागर किया।

टी हॉर्स रोड क्या है?

- **परिचय:**
  - **टी हॉर्स रोड**, जिसे प्रायः **दक्षिणी सिल्क रोड** के रूप में जाना जाता है, **कारवाँ मार्गों** का एक नेटवर्क और **व्यापार की दृष्टि से** एक **महत्त्वपूर्ण मार्ग** है जिससे सदियों से **चीन, तिब्बत और भारत** के बीच कनेक्टिविटी सुनिश्चित हुई।
- **मार्ग:**
  - यह **दक्षिण-पश्चिम चीन (युन्नान और सिचुआन)** से शुरू होकर **तिब्बत, नेपाल और भारत** से होते हुए अंततः **कोलकाता** तक विस्तृत है।
- **प्रमुख केंद्र:**
  - **लिजिआंग और डाली (युन्नान, चीन):** चाय प्रसंस्करण और व्यापार केंद्र।
  - **ल्हासा (तिब्बत):** चाय और तिब्बती वस्तुओं जैसे अश्वों का एक प्रमुख अभिसरण बिंदु।
  - **कलिम्पोंग और कोलकाता (भारत):** यह यूरोप और एशिया में निर्यात से पहले अंतिम व्यापार गंतव्य अथवा पड़ाव है।
- **प्रमुख मार्ग:**
  - **मार्ग 1:** याआन (चेंगदू के पास) से शुरू होकर, कांगडिंग, ल्हासा से होकर नेपाल और भारत तक विस्तारित होता है।
  - **मार्ग 2:** मध्य युन्नान में शुरू हुआ, लिजिआंग, झोंगडियन और डेकिन से गुजरते हुए, भारत में विस्तार करने से पहले ल्हासा पहुँचा।

//

- **उत्पत्ति एवं विकास:**
  - **टी हॉर्स रोड तांग राजवंश (618-907 CE)** के समय का है और शुरू में चीन से तिब्बत और भारत तक **चीनी, कपड़ा और चावल नूडल्स के व्यापार की सुविधा** प्रदान करता था, जबकि घोड़े, स्वर्ण, केसर और औषधीय जड़ी-बूटियों का व्यापार विपरीत मार्ग में होता था।
  - अंततः यह व्यापार **चाय और घोड़ों** के इर्द-गिर्द केंद्रित हो गया, जिसके कारण इस मार्ग का नाम **"टी हॉर्स रोड"** रखा गया।
  - **सोंग राजवंश (960-1279 ई.)** ने व्यापार को औपचारिक रूप दिया, तथा चीन की सेना के लिये तिब्बती घोड़ों और तिब्बत के लिये चीनी चाय के आदान-प्रदान को विनियमित किया।
    - 13 **वीं शताब्दी में मंगोल विस्तार** ने घोड़ों की आपूर्ति के लिये **इस मार्ग के महत्त्व** को और बढ़ा दिया।
- **टी हॉर्स रोड का पतन:**
  - **किंग राजवंश का अंत (1912):** राजनीतिक अस्थिरता के कारण व्यापार मार्गों पर नियंत्रण कमज़ोर हो गया।
  - **बुनियादी ढाँचे का आधुनिकीकरण:** आधुनिक परिवहन नेटवर्क ने पारंपरिक मार्गों को अप्रचलित बना दिया है।
  - **द्वितीय विश्व युद्ध और आर्थिक बदलाव:** यद्यपि सैन्य रसद के लिये इसे कुछ समय के लिये पुनर्जीवित किया गया, लेकिन औद्योगिक उत्पादन और मशीनीकृत परिवहन के कारण इसमें गिरावट आई।
  - **आधुनिक चीन की स्थापना (1949):** भूमि सुधार और सड़क निर्माण ने पारंपरिक पोर्टिंग प्रणाली को अनावश्यक बना दिया।

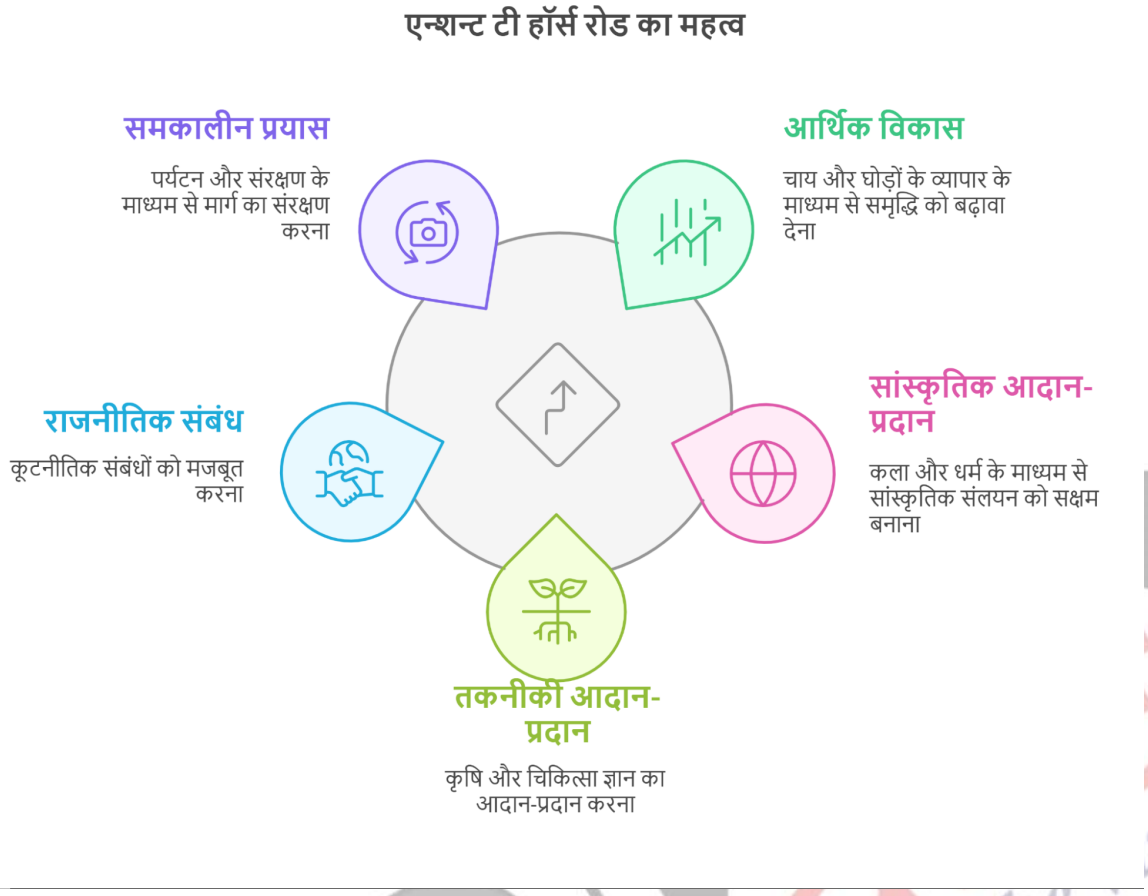

और पढ़ें: [सलिक रोड क्या है?]

UPSC सविलि सेवा परीक्षा,वगित वर्ष के प्रश्न

??????????

प्रश्न. कभी-कभी समाचारों में देखा जाने वाले बेल्ट एंड रोड इनशिएिटवि का उल्लेख कसिके संदर्भ में कयिा जाता है? (2016)

(a) अफ्रीकी संघ
(b) ब्राज़ील
(c) यूरोपीय संघ
(d) चीन

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tea-horse-road